News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-147
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

बचपन की सबसे बड़ी गलतफहमी थी कि बड़े होकर जिंदगी अच्छी हो जायेगी

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार,रविवार 01 सितम्बर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

राजधानी में डेंगू का कहर

NMCH में एक और किशोर की मौत ; सामने आए 18 नए मामले

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, राजधानी पटना में बरसात का मौसम आते ही एक बार फिर डेंगू का कहर देखने को मिल रहा है। गुरुवार को डेंगू से पीड़ित एक 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। अभी भी अस्पताल में 15 मरीज भर्ती हैं और 18 नए मामले सामने आए हैं। डेंगू के बढ़ते प्रकोप से लोगों में दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में औषधि विभाग के डेंगू वार्ड में चार महिला और पांच पुरुष मरीज को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। शिशु रोग विभाग के डेंगू वार्ड में भर्ती छह डेंगू पीडितों का चल रहा है। अस्पताल में इलाज के दौरान डेंगू पीड़ित 16 वर्षीय नौबतपुर नगमा निवासी आर्यन कुमार की गुरुवार की सुबह मौत हो गई। यह जानकारी अधीक्षक प्रो. डॉ. विनोद कुमार सिंह ने दी। औषधि विभाग के अध्यक्ष प्रो. डा. अजय कुमार सिंहा ने बताया कि डेंगू पीड़ित आर्यन का प्लेटलेट्स दस हजार से कम हो गया था। रक्तचाप कम होने के साथ ही तेज बुखार और रक्तस्राव होने लगा था।24 अगस्त को डॉ. विभू प्रसाद की यूनिट में भर्ती किया गया था। पांच यूनिट प्लेटलेट्स भी चढ़ाया गया था। उन्होंने बताया कि डेंगू पीड़ित भर्ती अन्य मरीजों की हालत बेहतर है। उधर, अधीक्षक ने बताया कि औषधि एवं शिशु रोग विभाग के डेंगू वार्ड में भर्ती मरीजों पर डाक्टरों की टीम विशेष नजर रख रही है। अस्पताल में सभी आवश्यक दवाइयां एवं जांच सुविधा उपलब्ध है।विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि आवश्यकता अनुसार डेंगू मरीज के लिए तत्काल दवाइयां खरीद करें ताकि इलाज में कोई रुकावट न आए। डेंगू मरीजों के लिए बेड की संख्या बढ़ा कर 55 कर दी गई है।

बिहार में खपाए जा रहे जाली नोट

लाखों रुपए की फेक करेंसी के साथ गिरफ्त में आया कारोबारी, पुलिस ने ऐसे किया अरेस्ट

मोतिहारी, बिहार में जाली नोटों का अवैध कारोबार धड़ल्ले से जारी है। सीमावर्ती जिलों में दूसरे देश ने जाली नोट की खेप पहुंचाई जा रही है और बिहार में उन जाली नोटों को खपाया जा रहा है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर करीब डेढ़ लाख के जाली नोट के साथ एक कारोबारी को अरेस्ट किया है। दरअसल, भारत-नेपाल की सीमा पर स्थित पूर्वी चंपारण की पुलिस ने नशीले पदार्थों और जाली नोट की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए अभियान चला रही है। इसी अभियान के तरह एक सप्ताह के भीतर पुलिस करीब 30 करोड़ के चरस को जब्त कर चुकी है। इसी अभियान के तहत पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने 1 लाख 44 हजार रुपए के जाली नोट के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई छौड़ादानो थाना क्षेत्र के रक्सौल छौड़ादानो नहर पर की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि फेक कैरेंसी का कारोबारी भारी मात्रा में नोटों का बंडल लेकर जा रहा है, तभी पुलिस ने वाहन जांच शुरू कर दिया। इसी दौरान बाइक से जाली नोट का खेप लेकर जा रहे कारोबारी आसिफ राज को पुलिस ने धर दबोचा। तलाशी में पुलिस ने उसके पास से 1 लाख 44 हजार के जाली नोट को जब्त किया। पुलिस ने जाली नोट के तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर रही है।

मंत्री के बयान को लेकर जेडीयू में घमासान

पार्टी के नेता ने ही खोल दिया मोर्चा, अशोक चौधरी को बताया आरजेडी का रंगा सियार

पटना, भूमिहार जाति को टारगेट कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंत्री अशोक चौधरी द्वारा दिए गए बयान पर जदयू के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कड़ी आपत्ति जताई है और मंत्री अशोक चौधरी को आरजेडी का रंगा सियार करार दे दिया है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा कहा कि अशोक चौधरी का आरोप है कि जहानाबाद में भूमिहार जाति के लोगों ने जेडीयू प्रत्याशी को वोट नहीं दिया, जो पूरी तरह से निराधार है। नीतीश कुमार के सपनों के ठीक विपरीत मंत्री अशोक चौधरी बिहार को जाति में बांटने का काम रहे हैं। उनके बयान से भूमिहार जाति आहत हुआ है। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी कहते हैं कि नीतीश शासन के पहले बिहार में 185 नरसंहार हुए लेकिन सच्चाई यह भी है कि जिस समय नरसंहारों का दौर चल रहा था उस समय अशोक चौधरी जंगलराज के राजा के साथ गोद में बैठकर मलाई खा रहे थे। सनद रहे की अशोक चौधरी उसी जंगलराज के हुंडार और सियार रहे हैं और आज जंगलराज- जंगलराज चिल्लाकर जनता को बरगलाने में जुटे हैं। जेडीयू नेता ने कहा कि अशोक चौधरी एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं। वे हमेशा से जाति की राजनीति करते रहे हैं जबकि उन्हें पता होना चाहिए कि भूमिहारों का क्या अस्तित्व है। भूमिहार कभी जात-पात करने वाला नहीं रहा है। यह भूमिहार लोगों का संस्कार में ही नहीं है। भूमिहार समाज के एक से एक महान विभूति पैदा हुए जिन्होंने जाति-पाति को मिटाने के लिए हर संभव है बलिदान देने का काम किया। चाहे श्री कृष्णा बाबू हो जो दलितों को देवघर मंदिर में प्रवेश करने के लिए अपना हाथ तक तुड़वा लिए। वहीं स्वामी सहजानंद सरस्वती जो इसी समाज से आते थे लेकिन भूमिहार जाति के जमींदारों के खिलाफ मुहिम चलाया। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी कहते हैं कि हम नीतीश कुमार के सिपाही हैं। अगर वह नीतीश के सच्ची सिपाही होते तो जातीय उन्माद फैलाने का काम नहीं करते। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कभी जाति की राजनीति नहीं की लेकिन अशोक चौधरी आज नीतीश कुमार के सिद्धांत और उसूल के खिलाफ समाज में जातीय उन्माद फैलाने में जुटे हैं। नीतीश कुमार जब 2005 से मुख्यमंत्री बने उन्होंने बिहार से जात-पात पूरी तरीके से समाप्त किया लेकिन अशोक चौधरी अब भूमिहारों पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर जाति की राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं। जेडीयू नेता ने अशोक चौधरी से पूछा है कि, वे बताएं कि लोकसभा चुनाव में प्रभारी तो वे खुद ही थे। उनको बताना चाहिए कि जिन गांवों में गए वहां क्यों नहीं अति पिछड़ा और दलित समाज के मतदाताओं ने जदयू को वोट दिया, इसके जिम्मेदार कौन हैं? किन किन गांवों में अशोक चौधरी वोट दिलाने में सफल रहे, उन्हें अपना डेटा देना चाहिए। चुनाव के समय भी अशोक चौधरी के ऐसे ही उलजुलुल बयानों के कारण ही जदयू से मतदाताओं का मोहभंग हुआ। उनके वक्तव्य के कारण ही 70 फीसदी मतदाता जदयू से दूर हुए और एनडीए उम्मीदवार चन्द्रवंशी की हार हुई। चुनाव में हार जीत होते रहता है उसकी समीक्षा निष्पक्षता से होना चाहिए लेकिन ये महाशय तो एक जाति के खिलाफ विष वमन कर सामाजिक सद्भाव को ही बिगाड़ना चाह रहे हैं। इस पर पार्टी को लगाम लगाना चाहिए। पता लगाया जाना चाहिए की अगले विधानसभा चुनाव के लिए अशोक चौधरी लालू यादव के लिए तो काम नहीं कर रहे, इसकी जांच को जरूरत है।

गोपाल ने कहा कि जहानाबाद ही नहीं बल्कि पूरे मगध में भूमिहारों ने समाज को जोड़ने का काम किया। सवर्ण हों या अतिपिछडे अथवा दलित सबके लिए भूमिहार हमेशा उनके साथ रहे। नरसंहार से उस दौर में सभी जातियां प्रभावित रही तो उनका नेतृत्व भूमिहार ने किया। ऐसे समाज को अपनी महत्वाकांक्षी राजनीति के लिए अशोक चौधरी ने अपमानित करने वाला बयान दिया है, इससे भूमिहार आहत हैं। लोकसभा चुनाव में भूमिहार जाति के लोगों के साथ नहीं देने के अशोक चौधरी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए गोपाल ने कहा कि एनडीए के तमाम बड़े नेता जहानाबाद में प्रचार करने गये। उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा, मंत्री विजय चौधरी, जदयू के शीर्ष नेता ललन सिंह, एमएलसी नीरज कुमार, भोला बाबू सबने जदयू प्रत्याशी के लिए जमकर चुनाव प्रचार किया लेकिन अब अशोक चौधरी बताएं कि वे एनडीए के किस भूमिहार नेता को टारगेट करने के लिए भूमिहारों पर आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं। आखिर कौन भूमिहार नेता अशोक चौधरी के निशाने पर हैं। गोपाल ने कहा कि अशोक चौधरी दल-बदलू रहे हैं। वे कांग्रेस से जदयू में आए लेकिन नीतीश कुमार के सिद्धांत को नहीं अपना पाए। नेचर और सिग्नेचर कभी नहीं बदलता है। यह अशोक चौधरी ने भूमिहारों पर बोलकर साबित कर दिया। वे पहले भी जिस दल में थे वहां गद्दारी किया और अब फिर से जदयू में आए हैं तो यहां भी अपनी महत्वाकांक्षा में नेतृत्व को खुश करने के लिए ऐसी बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी जाति को अपमानित करने वाले बयान से नीतीश कुमार खुश नहीं होते हैं बल्कि नाराज होते हैं। अशोक चौधरी को अपने आपत्तिजनक बयान के लिए माफी मांगना चाहिए। उनके इस बयान से और उनके क्रिया कलाप से आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए को नुकसान हो सकता हैं, इसलिए समय रहते इनके बोल वचन में सुधार करवाया जाए।

बिहार में बड़े पैमाने पर IAS अधिकारियों का प्रमोशन

देखिये पूरी लिस्ट..

पटना, बिहार में भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के 20 अधिकारियों को प्रमोशन मिला है। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने इसे लेकर अधिसूचना जारी की है। सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना में इस बात का जिक्र है कि राज्य असैनिक सेवा से प्रोन्नति द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा (बिहार संवर्ग) में 2024 में नियुक्त निम्नांकित पदाधिकारियों जिन्हें भारत सरकार द्वारा 2014 का बैच आवंटित है। उन्हें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्रांक-20011/02/2022-ए आई एस-।। दिनांक 07.10.2023 में निहित मार्गदर्शन के तहत भा0प्र0से0 में प्रभार ग्रहण की तिथि (14.08.2024 का अपराह्न) के आलोक में दिनांक 15.08.2024 के प्रभाव से कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अपर सचिव स्तर, वेतनमान - लेवल-12- रु.78,800-2,09,200/-) में प्रोन्नति प्रदान की जाती है।

लोकसभा चुनाव में भूमिहार नीतीश का साथ छोड़ कर भाग गये: मंत्री अशोक चौधरी का दावा, कहा-इस जाति को अच्छे से जानता हूं

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

जहानाबाद, नीतीश कुमार के खास मंत्री अशोक चौधरी ने भूमिहार जाति को जमकर कोसा है. मंत्री ने कहा-मैं भूमिहार जाति को अच्छे से जानता हूं. जब लोकसभा चुनाव हुआ तो इस जाति के लोग नीतीश कुमार का साथ छोड़ कर भाग गये. जहानाबाद में भूमिहारों को खरी-खोटी दरअसल नीतीश कुमार के किचन कैबिनेट के सदस्य माने जाने वाले मंत्री अशोक चौधरी जहानाबाद में जेडीयू के कार्यालय का उद्घाटन करने गये थे. कार्यक्रम कार्यालय के उद्घाटन का था और मंत्री ने भूमिहारों को कोसना शुरू कर दिया. अशोक चौधरी ने मंच से कहना शुरू किया-क्या नीतीश कुमार ने भूमिहारों के लिए काम नहीं किया है. फिर भूमिहारों ने क्यों लोकसभा चुनाव में नीतीश को वोट नहीं दिया. अशोक चौधरी ने कहा- नीतीश कुमार जब अति पिछड़ा को उम्मीदवार बनाते हैं तो भूमिहार लोग भाग जाते हैं. क्यों नहीं दीजियेगा वोट, काम तो आपके यहां भी नीतीश कुमार ने किया है. लोकसभा चुनाव में एक-दो नेताओं को छोड़ कर मैंने किसी भूमिहार को नहीं देखा कि वह जेडीयू के लिए वोट मांग रहा है. हम लोग जब दरवाजे-दरवाजे घूमते थे तो भूमिहार कहते थे कि जेडीयू के उम्मीदवार को वोट नहीं देंगे. अशोक चौधरी लगातार बोलते रहे- आपका उम्मीदवार भूमिहार होगा, चार-चार बार जीतेगा और काम नहीं करेगा तब भी कहियेगा कि वह बढिया है. मेरा उम्मीदवार तीन-चार दिन आपके घर नहीं गया तो कहियेगा कि वोट नहीं देंगे. ऐसे कैसे चलेगा. जहानाबाद में पार्टी ऑफिस के उद्घाटन समारोह में अशोक चौधरी ने कहा कि वे जहानाबाद और भूमिहार दोनों को अच्छे से जानते हैं. जहानाबाद से तो उनके पिता ही सबसे पहले चुनाव जीते थे. भूमिहारों को भी इसलिए अच्छे से जानते हैं क्योंकि अपनी बेटी की शादी से ही भूमिहार से की है.

प्रशांत किशोर का नीतीश सरकार पर बड़ा आरोप

बोले- शिक्षा विभाग के हर वर्ष पचास हज़ार करोड़ के बजट से बिहार के 50 बच्चों को भी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा नहीं मिल रहा है

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, बिहार को बदलने का संकल्प लिए पदयात्रा कर रहे जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार सरकार की शिक्षा व्यवस्था पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हर साल नीतीश सरकार 50 हजार करोड़ शिक्षा पर खर्च करती है पर बिहार की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चकनाचूर हैं। शिक्षा के नाम पर केवल खिचड़ी का लालच देकर बच्चों के माता पिता का ध्यान भटकाये रखा है। हर नेता और अधिकारी को मालूम है कि बिहार के स्कूलो में शिक्षा का स्तर खराब है, फिर भी इसे सुधारने का कोई प्रयास नहीं किया जाता क्योंकि नेता चाहते है कि बिहार के बच्चे अनपढ़ ही रहे और उनके माता-पिता खिचड़ी और अनाज के लालच में उन्हीं नेता को वोट देते रहें। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि जन सुराज यह सुनाश्चित करेगा कि बिहार के शिक्षा पर खर्च हो रहे एक-एक रुपए का इस्तमाल शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने में लगाया जाए। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि 15 साल तक के बच्चों का प्राइवेट स्कूल में भी पढ़ाई का खर्च सरकार उठाएगी और ऐसा प्रयास पूरे देश के किसी राज्य में अब तक नहीं किया गया है।

रीतलाल यादव के भाई के खिलाफ वारंट निकला

गिरफ्तार नहीं हुआ तो होगी कुर्की-जब्ती

पटना, बिहार के दानापुर से आरजेडी के विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पटना एम्स के सुरक्षा अधिकारी पर फायरिंग के मामले में पिंकू यादव के खिलाफ खगौल पुलिस को वारंट मिल गया। सूत्रों की मानें तो अब पुलिस की टीम पिंकू की तलाश में अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही है। हालांकि, उसके बिहार के बाहर होने की खबर मिली है। अगर वह नहीं पकड़ा गया तो जल्द से जल्द उसके घर की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, पटना एम्स के सुरक्षा अधिकारी पर फायरिंग के मामले में छानबीन के दौरान आरजेडी विधायक के भाई के खिलाफ सबूत हाथ लगने के बाद पुलिस उसे गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है। साथ ही अदालती कार्रवाई के जरिए भी उस पर शिकंजा कसा जा रहा है। हालांकि, पिछले दिनों मामला सामने आने के बाद विधायक रीतलाल यादव ने मीडिया से कहा था कि अगर उनके भाई ने ऐसा कुछ किया होता तो वे खुद उसे पुलिस को सौंप देते। बताया जाता है कि, गार्ड बहाली में अपने लोगों की पैरवी करने के दौरान पिंकू पर एम्स के सुरक्षा अधिकारी को धमकी देने का आरोप लगा था। इसके बाद सुरक्षा अधिकारी की गाड़ी पर घर से दफ्तर जाने के दौरान गोली चली थी। इस मामले में पुलिस ने गोली चलाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस का दावा है कि पकड़े गए दोनों आरोपियों ने पिंकू यादव के इशारे पर गोली चलाने की बात को कबूल किया है। मालूम हो कि, खगौल थाना क्षेत्र में एलिवेटेड रोड के समीप अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के मुख्य सुरक्षा अधिकारी प्रेमनाथ पर गुरुवार को जानलेवा हमला किया गया, जिसमें दानापुर विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू यादव का नाम सामने आया है।ताबड़तोड़ फायरिंग से प्रेमनाथ की कार का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। एसपी ने बताया था किहाल के दिनों में अस्पतालों व मेडिकल कालेजों में सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ाई जा रही है। घटना से चार दिन पहले प्रेमनाथ को एक कॉल आया था, जिसमें सामने वाले ने अपना परिचय दानापुर विधायक के भाई पिंकू यादव के रूप में दिया।